



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 06 अक्टूबर, 2021

'ज़रि कॉन' हाइपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल

हाल ही में रूस ने पहली बार पनडुब्बी के माध्यम से 'ज़रि कॉन' हाइपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस हाइपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल का परीक्षण 'सेवेरोडवसिक पनडुब्बी' के माध्यम से 'बैरेंट्स सागर' में किया गया था। इससे पूर्व 'ज़रि कॉन' हाइपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल का परीक्षण नौसेना के युद्धपोत पर किया जा चुका है और यह पहली बार है जब इसका परीक्षण पनडुब्बी के माध्यम से किया गया है। इस संबंध में रूस द्वारा जारी अधिकारिक सूचना के मुताबिक, 'ज़रि कॉन' हाइपरसोनिक मिसाइल ध्वनि की गति से नौ गुना तेज़ उड़ान भरने में सक्षम है और इसकी रेंज 1,000 किलोमीटर (620 मील) तक है। इस हाइपरसोनिक मिसाइल की तैनाती रूस की सैन्य क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि करती है। रूस के मुताबिक, 'ज़रि कॉन' मिसाइल प्रणाली के सभी परीक्षण इस वर्ष के अंत तक पूरे हो जाएंगे और इसे वर्ष 2022 तक रूसी नौसेना में कमीशन कर दिया जाएगा। 'ज़रि कॉन' मिसाइल का उद्देश्य रूसी क्रूज़र, फ्रिगेट और पनडुब्बियों के बेड़ों को सशक्त बनाना है। यह रूस में विकसित की जा रही कई हाइपरसोनिक मिसाइलों में से एक है।

व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना

वस्त्र मंत्रालय ने 160 करोड़ रुपए के कुल परवियय के साथ 'व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना' (CHCDS) को जारी रखने की मंजूरी दी है। यह योजना मार्च 2026 तक जारी रहेगी। इस योजना के तहत हस्तशिल्प कारीगरों को बुनियादी ढाँचागत सहायता, बाज़ार तक पहुँच, डिज़ाइन एवं प्रौद्योगिकी उन्नयन से जुड़ी सहायता आदि प्रदान की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य ऐसा विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचा तैयार करना है, जो उत्पादन एवं निर्यात को बढ़ावा देने हेतु स्थानीय कारीगरों व लघु एवं मध्यम उद्यमों (SME) की व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करता हो। संक्षेप में इन समूहों को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य कारीगरों और उद्यमियों को आधुनिक बुनियादी ढाँचे, नवीनतम प्रौद्योगिकी व पर्याप्त प्रशिक्षण तथा मानव संसाधन विकास इनपुट, मार्केट लकिंग एवं उत्पादन संबंधी विधिकरण के साथ जुड़ाव युक्त विश्वस्तरीय इकाइयाँ स्थापित करने में सहायता करना है। इसके तहत लागत में कमी सुनिश्चित करने के लिये अलग-अलग जगहों के कारीगरों के बीच समन्वय और उन्हें हस्तशिल्प कक्षों के लघु एवं मध्यम उद्यमों (SME) से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस योजना के तहत समग्र विकास के लिये 10,000 से अधिक कारीगरों वाले बड़े हस्तशिल्प समूहों का चयन किया जाएगा।

करंट लगने से हाथियों की मृत्यु रोकने हेतु पहल

ओडिशा सरकार ने वदियुत नेटवर्क की ग्राउंड क्लियरेंस बढ़ाने और हाथी गलियों तथा उनके आवाजाही कक्षों में तारों को बदलने के लिये वितरण कंपनियों को 445.75 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं। इस परियोजना का उद्देश्य बजिली के झटकों के कारण होने वाली हाथियों की मृत्यु को रोकना है। राज्य के ऊर्जा विभाग के मुताबिक, राज्य में 79,000 इंटरपोज़िंग पोल लगाए गए हैं और 2,300 से अधिक सर्किट कंडक्टरों को कवर किया गया है। हाथियों के संरक्षण की दृष्टि से काम कर रहे पर्यावरण समूह- 'वाइल्डलाइफ सोसाइटी ऑफ ओडिशा' (WSO) के मुताबिक, अप्रैल 2010 से अगस्त 2021 के बीच 862 हाथियों की मृत्यु हुई थी, जसिमें से तकरीबन 135 (16%) हाथियों की मौत बजिली के झटकों के कारण हुई थी। जानकारों के मुताबिक, यदि बजिली वितरण कंपनियों द्वारा आवश्यक सुरक्षा उपकरण इनस्टॉल किये जाते हैं तो हाथियों को बजिली के झटकों से बचाया जा सकता था।

वशिव शक्तिषक दविस

दुनिया भर में शक्तिषकों और उनके अधिकारों तथा दायित्वों को रेखांकित करने हेतु प्रतविर्ष 5 अक्टूबर को 'वशिव शक्तिषक दविस' का आयोजन किया जाता है। 'वशिव शक्तिषक दविस' का उद्देश्य दुनिया भर में शक्तिषकों की सराहना करना उनके महत्त्व के बारे में लोगों को जागरूक करना है। यूनेस्को द्वारा इस दविस को शक्तिषकों एवं शक्तिषण से संबंधित मुद्दों पर विचार करने और उन्हें संबोधित करने के अवसर के रूप में देखा जाता है। वशिव शक्तिषक दविस-2021 की थीम है- 'शक्तिषा सुधार के केंद्र में शक्तिषक'। संयुक्त राष्ट्र शक्तिषक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने वर्ष 1994 में 5 अक्टूबर को 'वशिव शक्तिषक दविस' के रूप में घोषित किया और तब से यह दनि प्रतविर्ष 5 अक्टूबर को वैश्विक स्तर पर आयोजित किया जाता है। ध्यातव्य है कि बच्चों को उनकी सीखने की प्रक्रिया में सहायता करने हेतु पूरे देश में शक्तिषकों ने महामारी के दौरान महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

